general approach is that environmental degradation results from the wide global disparities in patterns of consumption and production. In developing countries, economic and social development is a necessary pre-requisite for environmental protection. The international agenda should simultaneously address issues of environment and development and should focus adquately on environmental problems of specific relevance to developing countries. A meaningful programme of international cooperation should be based on provision of adequate, new and additional financial resources for developing countries and transfer of technology to them on a non-commercial or preferential basis.

मास्को में हुई पश्चिम शान्ति वार्ता

4393. **श्री अजीत जोगी:**
श्री छोटूभाई पटेल:

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत ने हाल ही में मास्को में हुई पश्चिम शान्ति वार्ता में भाग लिया था; और

(ख) यदि हां, तो भारत ने इस वार्ता में क्या भूमिका निभाई?

विदेश मंत्री (श्री माधव सिंह सोलंकी): (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

अन्य देशों को दिए गए ऋण

4394. **श्री अजीत जोगी:**
श्री छोटू भाई पटेल:

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत सरकार द्वारा दक्षिण एशिया के अन्य देशों को दिए गए ऋणों का ब्यौरा क्या है;

(ख) 31 दिसम्बर, 1991 की स्थिति के अनुसार ऋण लेने वाले देशों को कुल कितनी धनराशि उपलब्ध करायी गई तथा उन्होंने कितनी ऋण राशि लौटाई;

(ग) क्या ये ऋण उन देशों की विशेष परियोजनाओं के लिए थे; और

(घ) यदि हां, तो उन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

विदेश मंत्री (श्री माधव सिंह सोलंकी): (क) और (ख) एक विवरण सदन की मेज पर रख दिया गया है जिसमें यह सूचना दी गई है। [**नीचे देखिए**]

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

विवरण

सरकार द्वारा गत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान दक्षिण एशिया के देशों को दिए गए ऋण, वितरित की गई राशि और संबंधित देशों द्वारा 31 दिसम्बर, 1991 तक पुनर्भुगतान की गई राशि का ब्यौरा नीचे लिखे अनुसार है:—

वर्ष	दिया गया ऋण	वितरित की गई राशि	पुनर्भुगतान की गई राशि
नेपाल			
1989-90	5 करोड़ रुपये	5 करोड़ रुपये	5 करोड़ रुपये
1990-91	39 करोड़ रुपये	39 करोड़ रुपये	39 करोड़ रुपये
1991-92 (31.12.91 तक)	55 करोड़ रुपये	55 करोड़ रुपये	55 करोड़ रुपये
कुल :	99 करोड़ रुपये	99 करोड़ रुपये	99 करोड़ रुपये

यह भारत और नेपाल के बीच परिक्रामी ऋण करार के अनुसार था।

श्रीलंका

1987 के ऋण करार के अन्तर्गत श्रीलंका को 25 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। 31.12.91 की स्थिति के अनुसार श्रीलंका को 4.46 करोड़ रुपये की वास्तविक राशि वितरित की गई थी और कोई पुनर्भुगतान नहीं किया गया था।

बंगला देश

भारत से पूंजीगत वस्तुओं तथा मशीनरी के आयात के लिए 1991 के करार के द्वारा बंगलादेश को 30

करोड़ रुपये का ऋण स्वीकार किया गया है। यह ऋण अभी संचालित नहीं हुआ है और इस प्रकार अभी तक कोई पुनर्भुगतान नहीं हुआ है। दोनों देशों के बीच 15.6.1983 के करार द्वारा पहले 20 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया था। इस ऋण के बारे में ब्यौरा नीचे लिखे अनुसार है:

वर्ष	वितरित	पुनर्भुगतान
1989-90	5,14,733 रुपये	2,02,59,068 रुपये
1990-91	शून्य	2,35,39,183 रुपये
1991-92 (31.12.91 तक)	शून्य	83,30,000 रुपये
कुल :	5,14,733 रुपये	5,21,28,251 रुपये

Appointment of Nuclear Scientists of Erstwhile Soviet Union in Various Countries

4395. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that several nuclear scientists of formar Soviet Union are being selected for appointment by different countries in the world;

(b) whether such a step is likely to increase the threat of proliferation of nuclear weapons in the world;

(c) whether Government have taken up the matter in international fora; if so, the outcome thereof; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAV SINH SOLANKI) : (a) The Government has seen reports suggesting that some countries have offered jobs to nuclear scientists from the former USSR.

(b) and (c) The issue of nuclear proliferation has acquired an additional dimension because of uncertainties regarding the nuclear weapons belonging to the formar USSR. In a move to check recruitment of Soviet nuclear Scientists by other states, it has been announced that USA, Russia and Germany would establish an international science and technology institute in Russia. The project would give the scientists and engineers opportunities to redirect their talents to non-military endeavours and minimise incentives to engage in activities that would result in proliferation of nuclear weapons and missile delivery systems.

(d) Does not artise.

Complaints made against the Indian Ambassador in UAE

4396. SHRI M.D. SALIM:
SHRIMATI SARALA MAHESHWARI:
SHRI M.A. BABY:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether any complaints have been received by Government regarding the functioning of the Indian Ambassador in the United Arab Emirates;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the steps taken by Government to set right the things and to improve the condition of the Indian community in U.A.E.?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAV SINH SOLANKI): (a) Yes, Sir.

(b) The complaints related to the running of the Indian School and the Independence Day function.

(c) The Ambassador has initiated a dialogue with a wide range of representatives of the Indian community in order to resolve the complaints to the satisfaction of the community as a whole.